Mitch of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

्रभाग **II**—-लण्ड 3——उपलण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₹ 292]

नई दिल्ली, मंगलवार, जूम 13, 1972/ज्येष्ठ 23, 1894

No. 292]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 13, 1972/JYAISTHA 23, 1894

इस भाग में भिन्न पष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATIONS

INSURANCE

New Delhi, the 13th June 1972

- S.O. 422(E).—In exercise of the rowers conferred by sub-section (5) of section 5 of the Emergency Risks (Goods) Insurance Act, 1971 (50 of 1971), the Central Government hereby makes the following scheme further to amend the Emergency Risks (Goods) Insurance Scheme published with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) No. S.O. 5483, dated the 10th December, 1971, namely:—
- (1) This Scheme may be called the Emergency Risks (Goods) Insurance (Second Amendment) Scheme, 1972.
 - (2) It shall come into force on the 1st day of July. 1972.
- 2. In the Emergency Risks (Goods) Insurance Scheme for sub-paragraph (1) of paragraph 10, the following sub-paragraph shall be substituted namely:—
- "(1) The premium payable under any policy of insurance in respect of the quarter ending on the 30th day of September, 1972, shall.—
 - (a) in respect of a policy of insurance in force on the 30th June, 1972 be nil;

(b) in the case of all new policies, including supplementary policies to the existing ones, be at the rate of six paise for every hundred rupees or any part thereof of the sum insured."

[No. F. 66(13)Ins.I/71-I.]

वित्त मंत्रालय]]

(राजस्य ग्रीर बीमा विभाग)

श्रिधसूचनाएं

बीमा

नई दिल्ली, 13 जून, 1972

का॰ गा॰ 422(ग्र).—ग्रापात जोखिम (माल) बीमा ग्रिधिनियम, 1971 (1971 का 50) की घारा 5 की उपघारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के निस्त मंत्रालय (राजस्व श्रौर बीमा विभाग) की तारीख 10 दिसम्बर, 1971 की ग्रिधिस्चना सं॰ का॰ ग्रा॰ 5483 के साथ प्रकाशित ग्रापात जौखिम (माल) बीमा स्कीम में ग्रौर मंशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित स्कीम बनाती हैं, ग्रर्थात् :—

- (1) इस स्कीम का नाम श्रापात जोखिम (माल) बीमा (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1972 होगा ।
- (2) यह स्कीम जुलाई 1972 के प्रथम दिन को प्रवृत होगी।
- 2. श्रापात जोखिम (माल) बीमा स्कीम में, पैरा 10 के उप पैरा (१) के स्थान पर, निम्नलिखित उपपैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, श्रर्थात् :---
- "(1) बीमा की किसी पालिसी के श्रधीन, वितम्बर 1972 के तीसवें दिन की समाप्त होने वाली तिमाही की बाबत संदेय प्रीमियम,---
 - (क) 30 जून, 1972 को प्रवृत्त बीमा की पालिसी की बाबत श्रन्य होगा;
 - (ख) सभी नई पालिसियों की दशा में, जिसके अन्तर्गत विद्यमान पालिसियों की अनुपूरक पालिसियां भी आती हैं, बीमाकृत राशि के प्रत्येक सौ रुपये या उसके किसी भाग के लिए छह पैसे की दर पर होगा"।

सिं॰ फा॰ 66(13)-बीमा 1/71-1]

- S.O. 423(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 3 of the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Act, 1971, (51 of 1971), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Scheme published with the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) No. S.O. 5486, dated the 10th December, 1971, namely:—
 - This Scheme may be called the Emergency Risks (Undertakings) Insurance (Second Amendment) Scheme, 1972.
 - (2) It shall come into force on the 1st day of July, 1972.
- 2. In the Emergency Risks (Undertakings) Insurance Scheme, for sub-paragraph (1) of paragraph 8, the following sub-paragraph shall be substituted namely:—
 - "(1) The premium payable under any policy of insurance in respect of the quarter ending on the 30th day of September, 1972, shall,---
 - (a) in respect of a policy of insurance in force on the 30th June, 1972, be nil;

(b) in the case of all new policies, including supplementary policies to the existing ones, be at the rate of ten paise for every hundred rupees or any part thereof of the sum insured."

> [No. F.66(13)Ins.I/71-II.] A. RAJAGOPALAN,

Officer on Special Duty and Ex-officio Addl. Secy. to the Govt. of India.

का॰ ग्रा॰ 423(ग्र).—ग्रापात जोखिम (उपक्रम) बीमा ग्रिशिनियम, 1971 (1971 का 51) की धारा 3 की उपघारा (6) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व भीर बीमा विभाग) की तारीख 10 दिसम्बर, 1971 की ग्रिशिस्चना सं० का॰ ग्रा॰ 5486 के साथ प्रकाशित ग्रापात जोखिम (उपक्रम) बीमा स्कीम में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित स्कीम बनाती है, ग्रार्थात् :----

- (1) इस स्कीम का नाम श्रापात जोखिम (उपक्रम) बीमा (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1972 होगा ।
- (2) यह स्कीम जुलाई, 1972 के प्रथम दिन को प्रवृत्त होगी।
- 2. ग्रापात जोखिम (उपक्रम) बीमा स्कीम में, पैरा 8 के उपपैरा (1) के स्थान पर, निम्न-सिखित उपपैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रार्थातु :---
- "(1) बीमा की किसी पालिसी के ग्रघीन, सितम्बर, 1972 के तीसवें दिन को समान्त होने वाली तिमाही की बावत संदेय प्रीमियम, —
 - (क) 30 जून 1972 को प्रवृत्त बीमा की पालिसी की बाबत, शून्य होगा,
 - (ख) सभी नई पालिसियों की दमा में, जिनके श्रंतर्गेत विद्यमान पालिसियों श्रनुपूरक पालिसियां भी श्राती हैं, बीमाकृत राशि के प्रत्येक सौ रुपए या उसके किसी भाग के लिए दस पैसे की दर पर होगा।

[सं० फा० 66(13)-बीमा 1/71-II] ग्र० राजगोपालन, विशेष कार्य भ्रधिकारी और पदेन भ्रपर समिव

भारत सरकार।